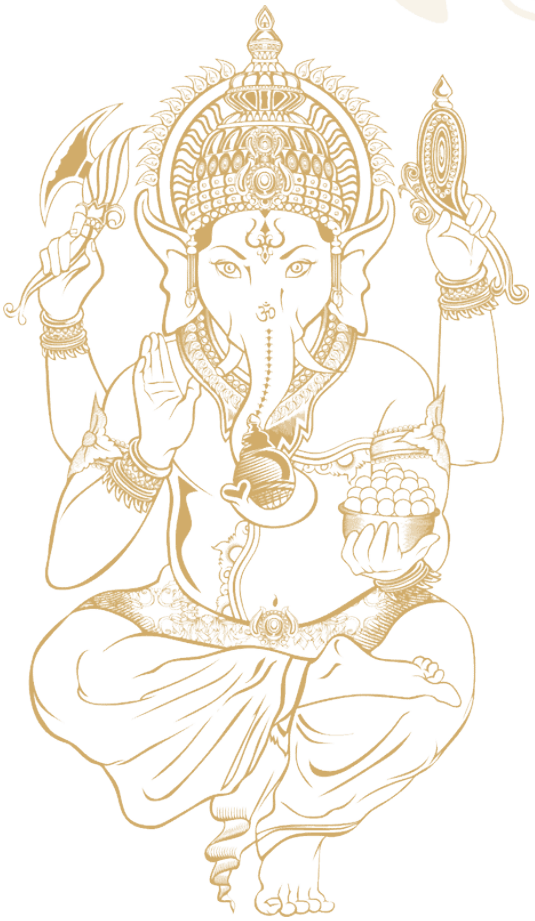

Ganesh

Sakshi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121240617

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
09/11/2005	जन्म तिथि	13/11/2009
बुधवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 09:05:00	जन्म समय	12:05:00 घंटे
घटी 06:08:32	जन्म समय(घटी)	13:32:21 घटी
India	देश	India
Dhar	स्थान	Dhar
22:32:00 उत्तर	अक्षांश	22:32:00 उत्तर
75:24:00 पूर्व	रेखांश	75:24:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:28:24	स्थानिक संस्कार	-00:28:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:37:35	सूर्योदय	06:40:03
17:46:52	सूर्यास्त	17:45:20
23:56:15	चित्रपक्षीय अयनांश	23:59:56

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 6वर्ष 9मा 3दि		24:31:10	वृश्चि	लग्न	मक	12:12:10	चन्द्र 7वर्ष 4मा 0दि	
राहु		22:53:54	तुला	सूर्य	तुला	27:00:58	राहु	
12/08/2012		23:47:35	मक	चंद्र	कन्या	13:33:09	15/03/2024	
13/08/2030		20:26:09	मेष व	मंगल	कर्क	18:07:44	16/03/2042	
राहु	26/04/2015	15:17:50	वृश्चि	बुध	वृश्चि	01:42:08	राहु	26/11/2026
गुरु	18/09/2017	09:06:11	तुला	गुरु	मक	24:44:32	गुरु	21/04/2029
शनि	25/07/2020	09:47:14	धनु	शुक्र	तुला	12:35:20	शनि	26/02/2032
बुध	12/02/2023	17:12:37	कर्क	शनि	कन्या	07:29:15	बुध	14/09/2034
केतु	01/03/2024	19:13:26	मीन	राहु व	धनु	29:18:02	केतु	03/10/2035
शुक्र	02/03/2027	19:13:26	कन्या	केतु व	मिथु	29:18:02	शुक्र	03/10/2038
सूर्य	25/01/2028	12:55:31	कुंभ व	हर्ष व	कुंभ	28:51:03	सूर्य	27/08/2039
चन्द्र	25/07/2029	20:55:44	मक	नेप	मक	29:42:44	चन्द्र	25/02/2041
मंगल	13/08/2030	29:02:58	वृश्चि	प्लूटो	धनु	07:38:21	मंगल	16/03/2042

लग्न-चलित

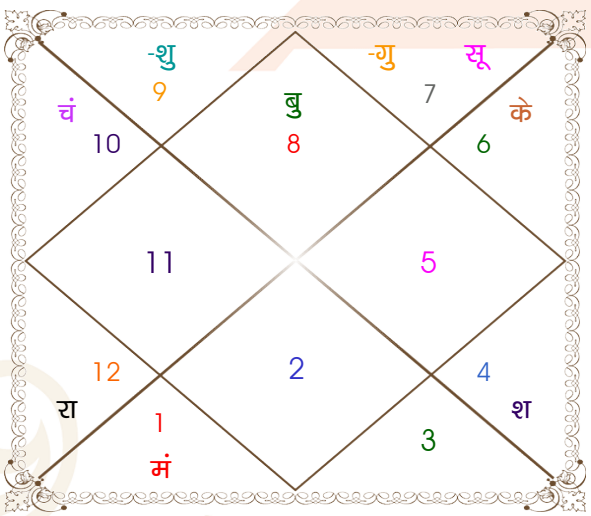

लग्न-चलित

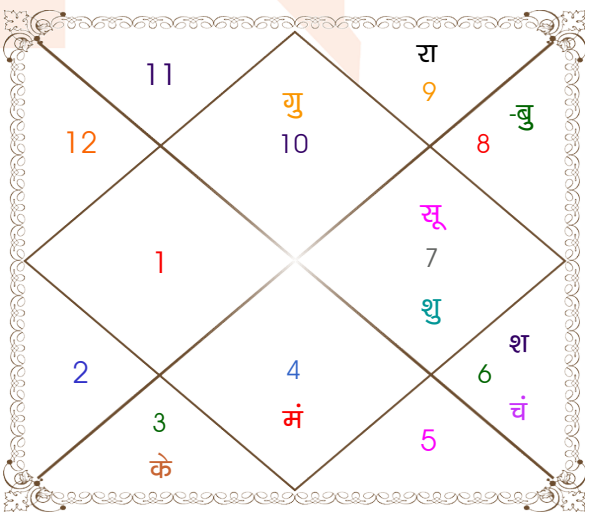

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	महिष	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

ळंदमेी का वर्ग मार्जार है तथा Sakshi का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ळंदमेी और Sakshi का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

ळंदमेी मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Sakshi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Sakshi कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Sakshi कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Sakshi कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ळंदमेी कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ळंदमेी तथा Sakshi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।